[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

विद्याभारती मध्यभारत का प्रांतीय समिति समागम 'संकल्प दृष्टि 2024' संपन्न

भोपाल। विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के प्रांतीय समिति समागम 'संकल्प दृष्टि 2024' का शुभारंभ शनिवार को सरस्वती विद्या मंदिर, शारदा विहार में हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र शर्मा, विशिष्ट अतिथि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के सह संगठन मंत्री श्री श्रीराम जी आरावकर, विशेष अतिथि विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री श्री निखिलेश महेश्वरी एवं प्रांत अध्यक्ष श्री मोहन लाल गुप्त थे। समारोह की अध्यक्षता विद्या भारती मध्यक्षेत्र के अध्यक्ष श्री सुरेश गुप्ता ने की। तीन दिवसीय इस समागम में पूरे प्रांत की विद्यायलय संचालित करने वाली 180 समितियों के 1500 से अधिक दायित्ववान कार्यकर्ता सम्मिलित हुए हैं। समिति समागम का समापन 14 जनवरी रविवार को हुआ।

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

चुनौतियों का सामना करने वाली राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत युवा पीढ़ी के निर्माण का संकल्प लें – भटनागर

शारदा विहार भोपाल । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने अपने प्रभावी उद्बोधन में कहा कि हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। समाज में शिक्षा को लेकर विद्याभारती के अपने लक्ष्य हैं। शिक्षित, सुसंस्कारित, राष्ट्रीय विचारों से ओतप्रोत पीढ़ी के निर्माण का हमारा जो संकल्प है, उसे लेकर हमारी दृष्टि स्पष्ट होनी चाहिए। यह अपने वैचारिक अधिष्ठान के शाश्वत मूल्यों पर चलने के संकल्प लेने का समय है। हमने समाज परिवर्तन का आधार शिक्षा को माना है। इसके लिए शिक्षा को माध्यम बनाया है। अपने लिए विचार करने का विषय यह है कि क्या हमारे लक्ष्य के अनुरूप नई पीढ़ी को तैयार किया जा रहा है? वंचित वर्ग को सुसंस्कृत और संपन्न बनाने की योजना के साथ हमें कार्य करना चाहिए। विद्यालयों में भैया-बहिनों का शैक्षणिक, मानसिक एवं शारीरिक विकास हो इसकी चिंता एवं इस दिशा में कार्य आवश्यक है।

श्री भटनागर ने कहा कि हम अपने लक्ष्य के अनुरूप वर्तमान सामाजिक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने वाली राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत युवा पीढ़ी का निर्माण करने का संकल्प लें। हम किसी भी काल और परिस्थिति के संक्रमण में नये भविष्य की रचना करेंगे। आज की नई परिस्थितियों में भौतिक संसाधन की उपलब्धता बहुत आवश्यक है किन्तु साधनों का उपयोग करने के लिए अच्छे साधक और शिक्षाविदों की आवश्यकता है। प्रथम सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना के 75 वर्ष 2027 में पूरे होने जा रहे हैं। हम संकल्प लेकर व्यवस्थाएं जुटाने का लक्ष्य लें। हमारे विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब, प्रयोगशालाएं, डिजीटल कक्षाएं, पुस्तकालय आदि विकसित हों। विद्यालयों में कौशल विकास, स्किल डेवलपमेंट की व्यवस्था उन्नत रूप में करें। हमारे विद्यालय के परीक्षा परिणाम अन्य विद्यालय से अच्छे हो। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थी चयनित होकर उच्च स्थान प्राप्त करें, ऐसे विषयों पर समिति चर्चा करे, समीक्षा करें और योजना बनाएं।

मुख्य आकर्षण

प्लास्टिक मुक्त है पूरा परिसर

कार्यक्रम के लिए दो हजार लोगों की बैठक क्षमता वाला एक विशाल डोम (पांडाल) बनाया गया है। इसके साथ ही पांच और पांडाल बनाए गए हैं। सभी कार्यकर्ताओं को 6 समूहों में बांटा गया है। इनके लिए इन्हीं पांडाल में सत्र आयोजित हो रहे हैं। मंच, प्रदर्शनी एवं अन्यो सभी व्यवस्थाओं को प्लायस्टिक मुक्त रखा गया था ।

मंच पर श्री राम मंदिर की झांकी, दीवार पर रामलीला के दृश्य

समारोह के मुख्य पांडाल नैमिषारण्य सभागृह के मंच के पार्श्व में अयोध्या के श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई है। इसमें प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया गया है, इसके स्थान पर कागज और गत्ते का उपयोग किया गया है। वहीं विद्यालय की बाउंड्रीवॉल पर रामायण के दृश्य अंकित किए गए हैं। इसकी वॉल पेंटिंग शारदा विहार के विद्यार्थियों द्वारा की गई थी ।

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

दिग्विजयी, विश्व का नेतृत्व करने वाला भारत बनाने का संकल्प लें : दीपक विस्पुते

भोपाल, दिनांक 14 जनवरी, 2024 । हमें एक दिग्विजयी भारत, विश्व का नेतृत्व करने वाला सशक्त भारत बनाना है। हम इस दिशा में चल पड़े हैं। एक पराक्रमी भारत बनाने के लिए हम अपने आप को तिरोहित कर दें, इस बात का संकल्प लेकर हम अपने-अपने क्षेत्रों में जाएं। यह आह्वान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक श्री दीपक विस्पुते ने रविवार को विद्याभारती के समिति कार्यकर्ताओं से किया। वे शारदा विहार में आयोजित तीन दिवसीय प्रांतीय समिति समागम संकल्प दृष्टि 2024 के समापन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन दे रहे थे।

सरस्वती शिशु मंदिर शारदा विहार परिसर के नैमिषारण्य सभागृह में आयोजित समापन सत्र की अध्यक्षता पूर्व राज्यपाल एवं विद्याभारती मध्यभारत प्रांत के प्रथम अध्यक्ष रहे श्री कप्तान सिंह सोलंकी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र शर्मा, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष प्रोफेसर रवीन्द्र कान्हेरे, क्षेत्र संगठन मंत्री श्री भालचंद रावले, प्रांत संगठन मंत्री श्री निखिलेश महेश्वरी, प्रांत अध्यक्ष श्री मोहनलाल गुप्त उपस्थित थे।

अपने उद्बोधन में श्री विस्पुते ने कहा कि हमें समय-समय पर अपने कार्य की समीक्षा करते रहना चाहिए। हम केवल शैक्षिक संस्थान नहीं है। हम अपने ध्येय के साथ कार्य कर वैचारिक क्रांति लाने वाले संगठन है। अनगिनत समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ हमनें एक उदाप्त लक्ष्य का संकल्प लिया है। ऐसे कितने ही कार्यकर्ता हैं जिन्होंने अपने विचार के लिये कार्य करने में जीवन को तिरोहित कर दिया। आज अपना भारत एक विशिष्ट स्थिति से गुजर रहा है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष होने पर यह भारत का अमृत काल चल रहा है। सरस्वती शिशु मंदिर योजना के भी 75 वर्ष आगामी वर्षों में पूरे होने जा रहे है। ऐसे में हमें अपने कार्य का सिंहावलोकन करना चाहिए। हम अपनी 75 वर्ष की पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं आगे हमें अपने कार्य को और कितना आगे ले जाना है। इसकी योजना करके कार्य विस्तार करना आवश्यक है।

पुस्तक एवं पत्रिका का हुआ विमोचन

इस अवसर पर लेखक श्री शिरोमणि दुबे द्वारा लिखी पुस्तक भारतीय शिक्षा की सनातन दृष्टि का विमोचन किया गया। विद्या भारती की वार्षिक पत्रिका प्रज्ञा संदेश का भी विमोचन इस अवसर पर अतिथियों द्वारा किया गया। संकल्प दृष्टि 2024 प्रांतीय समिति समागम का प्रतिवेदन डॉ. राम भावसार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन श्री मोहनलाल गुप्त द्वारा किया गया। इस अवसर पर एकल गीत बहिन उपासना राजपूत द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस प्रांतीय समिति समागम में शारदा विहार आवासीय विद्यालय, दीनदयाल कॉलोनी एवं शिवाजी नगर के सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थियों द्वारा भव्य रंगमंचीय कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विद्या भारती के आधारभूत विषयों पर आधारित इस कार्यक्रम में रोप स्कीपिंग, पाइपर बैण्ड, मलखम्ब, योगासन एवं स्वच्छता अभियान के ऊपर लघुनाटिका और नृत्य प्रस्तुत किये गये।

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

सरस्वती शिशु मन्दिर आवासीय विद्यालय केदारधाम ग्वालियर में - श्री इन्द्रर सिंह परमार जी

सरस्वती शिशु मन्दिर आवासीय विद्यालय केदारधाम ग्वालियर में मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्द्रर सिंह परमार जी आगमन आज दिनांक 30 जनवरी 2024 को हुआ। इस अवसर पर विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री निखिलेश महेश्वरी, प्रान्त प्रमुख श्री रामकुमार भावसार, शहर के कई गणमान्य नागरिक, विद्यालय को संचालित करने वाली समिति लक्ष्मणराव तराणेकर स्मृति शिक्षा समिति के समस्त पदाधिकारी, विद्यालय के प्रबंधक श्री अवधेश त्यागी, प्राचार्य श्री अमित कुमार श्रीवास्तव एवं समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

स्वतंत्रता संग्राम के महान सेना नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती आज सरस्वती विद्या मंदिर मेला मैदान भांडेर मे मनाई गई। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री संजीव कुमार, आचार्य श्री पंकज दुबे , श्री आलोक गुप्ता ने नेताजी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला जिसमें विद्यालय के अन्य आचार्य दीदी श्री राकेश जी, श्री आदेश जी, श्री कृष्णा मुरारी पटेरिया, श्री रामप्रकाश जी, श्री भरत, श्री शिवम्, श्रीमती राजेश्वरी, कु अंजली, कु पायल, कु महिमा उपस्थित रहे।

आइये ! विषमुक्त कृषि की ओर बढ़े।
जैविक कृषि भारत भारती बैतूल के प्रातःकालीन चित्र

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

सम्पूर्ण विश्व हुआ राममय, शिशु मंदिरों में मनाई गई राम दीपावली {राम आयेंगे...}

सरस्वती शिशु मंदिर अंदरकिला में दिनांक 20 जनवरी को श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में संगीतमय सस्वर सुंदरकांड का पाठ-भजन एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा विद्यालय से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। जिसमें शिशुवाटिका के भैया-बहिन राम दरबार में विराजे भगवान राम-लक्ष्मण सीता एवं हनुमान जी के प्रतिरूप बनकर रथनुमा बग्गी में बैठे थे।

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

"देवपुत्र का अवधेश विशेषांक देखकर प्रसन्न हो उठीं दीदी मां"

श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन के प्रमुख नेतृत्व में से एक पूजनीया दीदी मां साध्वी ऋतंभरा जी ने प्रातः देवपुत्र के "अवधेश विशेषांक" का अवलोकन किया। वे सेवाभारती द्वारा भव्य रामोत्सव को संबोधित करने इन्दौर पधारीं थी। प्रातः जब उनके विश्राम स्थल पर देवपुत्र के प्रधानसंपादक श्री कृष्णकुमार अष्ठाना , प्रबंध न्यासी सीए राकेश भावसार और कार्यकारी संपादक गोपाल माहेश्वरी ने दीदी मां को देवपुत्र के अवधेश विशेषांक के संबंध में जानकारी दी तो दीदी मां का देवपुत्र पर वात्सल्यपूर्ण शुभाशीष फूट पड़ा वे गद्गद कंठ से बोलीं " आप लोग धन्य हैं जो इतने पवित्र कार्य में लगे हुए हैं ।

देवपुत्र का यह विशेषांक भगवान श्रीराम के पूर्वज प्रसिद्ध चक्रवर्ती अवधेशों का सरल व रोचक भाषा में बहुरंगी चित्रों सहित प्रेरक चरित्र प्रस्तुत करता है। अंक की सम्पूर्ण बालसाहित्य जगत में वरिष्ठ संपादकों एवं साहित्यकारों ने भूरि भूरि प्रशंसा की जा रही है। अंक की संपूर्ण परिकल्पना व लेखन कार्यकारी संपादक श्री गोपाल माहेश्वरी ने की है।

चिमनबाग में हजारों श्रोताओं से भरे भव्य मुक्ताकाशी मंच पर दीदी मां ने रामोत्सव में देवपुत्र के इस विशेषांक का लोकार्पण किया तो सारी सभा ने तालियों की गड़गड़ाहट से इस आह्लाद भरे क्षण का स्वागत किया। लोकार्पण के इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक माननीय डा.प्रकाश जी शास्त्री, प्रसिद्ध उद्योगपति श्री प्रकाश जी सिंघानिया थे उपस्थित थे।

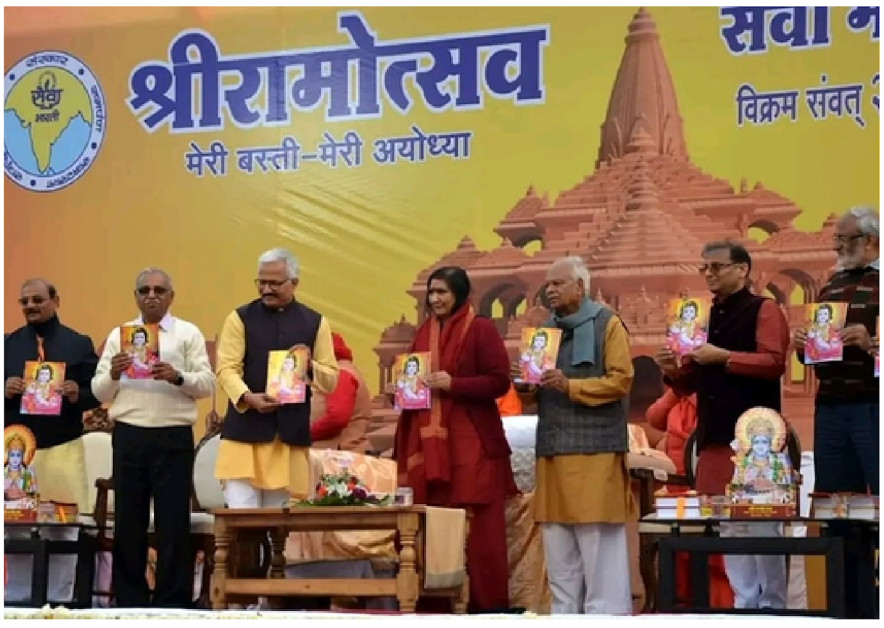

निखिलेश महेश्वरी
प्रांत संगठन मंत्री
विद्या भारती मध्य भारत

कविता

खत्म वनवास राम का, राज तिलक करों राम का,
देखो धरा में राम विराजे, देखो गगन में राम है साजे।
हिन्दुओं के अब भाग जागे, बरसों के संघर्ष है भागे,
विजय हुई अंधियारा हारा, राममयी हुआ जग सारा ।। 1।।

घर को सुंदर आज सजाऊ, आंगन में मै दिप जलाऊ,
दशरथ का राम दुलारा,कौशल्या की आंख का तारा।
अयोध्या का राम प्यारा, अवध का है राम सहारा,
जन-जन ने फिर पुकारा, अब तो आओ राम द्वारा ।। 2।।
विजय हुई अंधियारा हारा.....

केवट को आपनएं राम, समरसता पाठ पढ़ाएं राम,
बजरंग गले लगाए राम, शबरी झुठे बैर खाये राम।
राजा विभिषन बनाएँ राम, रावण राक्षस मिटाए राम,
जीत हुई, हुआ जयकारा, सजा फिर राम दरबारा ।।3।।
विजय हुई अंधियारा हारा.....

अयोध्या को सुंदर सजाया, आमंत्रण पा जन-जन हर्षाया,
प्राणप्रतिष्ठा अवसर आया, घर-घर तक अक्षत पहुंचाया।
लगा राम पुनर्जन्म पाया, हिन्दू जन ने गीत मंगल गाया,
राम मंदिर बन जगमगाया , जनता के मन को अति भाया ।।4।।

निखिलेश महेश्वरी
"प्रज्ञादिप" हर्षवर्धन भोपाल
nikhileshkm81@gmail.com

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

शिक्षा की भारतीय संकल्पना में शिक्षा का संबंध जीवन विकास से होता है - सुश्री इंदुमती काटदरे

व्याख्यान - विद्या प्रतिष्ठान हर्षवर्धन नगर भोपाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिशु शिक्षा की भारतीय संकल्पना विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया इसमें मुख्य वक्ता सुश्री इंदुमती काटदरे पुनरुत्थान विद्यापीठ कुलपति ने अपने अत्यंत प्रभावी एवं प्रेरक उद्बोधन में कहा कि NEP 2020 हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति है जिसमें हमारे राष्ट्रीय मूल्य परंपराएं और चिंतन शामिल हैं यह अभी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रारंभिक अवस्था है आने वाले वर्षों में इस नीति के सुगठित और व्यापक क्रियान्वयन से अच्छे और प्रभावी परिणाम आएंगे विद्या भारती का इस शिक्षा नीति के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

शिक्षा का संबंध जीवन विकास से है गर्भाधान से ही शिक्षा प्रारंभ हो जाती है और जीवन के विकास का वीजारोपण हो जाता है 5 वर्ष तक की अवस्था में शिशु संस्कारों का संगोपन ठीक प्रकार से होना चाहिए बालक की प्रथम गुरु माता होती है और शिशु के विकास की शुरुआत घर से ही होती है विद्याभारती की शिशु वटिका भारतीय दर्शन एवं मनोविज्ञान पर आधारित है इसका सूत्र-

लालयेत्_पञ्च_वर्षाणि_ताडयेत्_दशवर्षाणि
प्राप्ते_सम्प्राप्ते_षोडशे_वर्षे_पुत्रं_मित्र_समाचरेत

सरस्वती शिशु मंदिर पठार में SDERF की टीम द्वारा आपदा प्रबंधन का प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण भैया बहनों को दिया गया।

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

सरस्वती शिशु / विद्या मंदिर बीनागंज विद्यालय में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया

बीनागंज। सरस्वती शिशु / विद्या मंदिर बीनागंज में कक्षा द्वादशी के भैया - बहिनो का दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे विद्यालय के एकादशी भैया - बहिनों ने द्वादशी के भैया बहिनों के लिए दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजित किया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री शिखर जैन शा. शिक्षक, वरिष्ठ व्यख्याता श्री सुरेश जी गुप्ता की गरिमामयी उपास्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की वंदना से हुई । कार्यक्रम द्वादशी के भैया बहिनो ने अपने विद्यालयीन अनुभव साझा किए। इस अवसर पर विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष श्री बिसन सिंह जी यादव, सचिव श्री राघव जी सोनी, सह सचिव श्री कृष्णमुरारी जी शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री अनिल जी जैन समिति सदस्य - श्री रमेश जी सोनी, श्री अशोक जी शर्मा, श्री जगदीश जी श्रीवास्तव, श्री गगन जी शर्मा, श्रीमती अक्षिता जी अग्रवाल,, श्री रामगोपाल जी प्रजापति, श्रीमती प्रेमलता जी अग्रवाल, चाचौड़ा विद्यालय के प्राचार्य श्री मुकेश जी संत प्राचार्य, आचार्य परिवार, भैया बहिन उपस्थित रहे। द्वादशी के भैया / बहिनों ने विद्यालय को अपनी ओर से सप्रेम सोफा - सेट स्मृति स्वरूप भेंट किया।

विदिशा जिले का जिला स्तरीय शिशुनगरी कार्यक्रम सरस्वती विद्या मंदिर, तलैया विदिशा में संपन्न हुआ

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पुरानी इटारसी में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव सम्पन्न

इटारसी। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पुरानी इटारसी में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती मृदुला जी रावत थीं, अध्यक्षता डा, पंकज मणी जी पहारिया ने की, विशिष्ट अतिथि श्री विक्रम जी सोनी, श्री लीलाधर जी मनवारे, श्री कमल किशोर जी पाटीदार, श्री संदीप जी मालवीय, श्री नीतीश जी दीवान, मालवीय गंज के प्राचार्य श्री जय सिंह जी ठाकुर, आर्य नगर के प्राचार्य श्री प्रताप सिंह जी राजपूत, स्थानीय विद्यालय के प्राचार्य श्री नर्मदा प्रसाद मालवीय सहित अभिभावक गण, गणमान्य नागरिक एवं समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा। अतिथि परिचय श्री रीतेश जी पटेल ने कराया, स्वागत किशोर भारती के भैया, बहिनों ने किया, आभार श्री गुलाब चंद जी दिवेदी ने माना, कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती अंजू चौबे ने किया।

विद्या विहार बैरसिया। विद्या विहार में कक्षा द्वादश के भैया बहिनों का दीक्षांत का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती ओमकार और भारत माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। विशेष अतिथि श्री कुबेर सिंह गुर्जर पूर्वछात्र ने अपने वक्तव्य में कहा कि विद्या विहार संस्कार और अनुशासन का केंद्र है यहां मानव का सर्वांगीण विकास होता है।वक्ता के रूप में प्राप्त विद्या विहार के प्रबंधक श्री धर्मेंद्र गुर्जर ने कहा कि विद्यालयीन जीवन व्यवहारिक ज्ञान की एक सीढ़ी है इस पर चढ़ कर मनुष्य सामाजिक , राजनैतिक और व्यवहारिक गुणों को प्राप्त कर सकता है। विद्यालय प्राचार्य श्री उमेश त्यागी ने भैया बहिनों के उत्तरोत्तर आगे बढ़कर परिवार,समाज और राष्ट्र की उन्नति में आगे बढ़कर कार्य करने की बात कही। नगर शाखा के प्रधानाचार्य श्री सुनील कुमार नागर ने भी भैया बहिनों को वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए मार्गदर्शन किया। द्वादश के भैया बहिनों ने आचार्य दीदी को उपहार भेंट किए एवं विद्यालय को स्मृति स्वरूप पोडियम (dise) भेंट करने की घोषणा की। एकादश के भैया बहिनों ने द्वादश के भैया बहिनों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। भैया बहिनों ने अपने अनुभव साझा किए। अंत में सभी ने सहभोज किया।

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा आज 29 जनवरी को परीक्षा पर चर्चा की गई, जिसके मुख्य बिंदु

मा. प्रधानमंत्री जी द्वारा 29 जनवरी को परीक्षा पर चर्चा की गई, जिसका लाइव प्रसारण सभी विद्यालयों में दिखाया गया

- किसी भी प्रकार के प्रेशर को सहन करने की आदत डालें
- जीवन में कॉम्पिटिशन न हो तो जीवन प्रेरणाहीन बन जाएगा।
- विकृत स्पर्धा का भाव परिवार में बो दिया जाता है इससे द्वेष भाव उत्पन्न होता है , यह बीज आगे चलकर जहरीला वृक्ष बन जाता है।
- ज्यादा अंक लाने वाला दोस्त प्रेरणा बन सकता है
- ईर्ष्या भाव मन में न आए।
- माता-पिता बच्चों को तुलनात्मक कोसते हैं, इससे बचना चाहिए।
- माता-पिता अपनी असफलता पर बच्चों का रिपोर्ट कार्ड ही विजिटिंग कार्ड की तरह उपयोग करते हैं।
- दोस्त हमसे ज्यादा तेजस्वी हो और उनसे सीखने का प्रयास करना चाहिए।
- संगीत से पूरे स्कूल का तनाव दूर किया जा सकता है।
- शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध परीक्षा तक निरंतर बढ़ता रहे तो परीक्षा में तनाव की नौबत नहीं आएगी।
- छात्र को लगना चाहिए कि शिक्षक का संबंध विषय से हटकर पारिवारिक भी है।
- शिक्षक बच्चों के घर जाकर उनकी उपलब्धि बताएं
- उनके गुणों का विश्लेषण करें।
- शिक्षक का कार्य जॉब करना नहीं , जिंदगी बदलने का है
- बच्चे को उसकी मस्ती से परीक्षा में जाने दे, अनावश्यक प्रयोग माता-पिता ना करें।
- परीक्षा हाल में हंसी मजाक में शुरुआती पल बिताए।
- हमें परीक्षा हाल में खुद में ही खोया रहना चाहिए।
- पक्षी की आंख पर ध्यान हो, लक्ष्य या पर ध्यान बना रहे
- पहले पूरा प्रश्न पत्र पड़े फिर टाइमिंग तय करें।
- लिखने की आदत बनाए रखें ,50% समय लिखने पर दें
- लिखना बड़ी चुनौती होती है।
- लिखने से शार्पनेस आएगी।
- अपनी लिखी हुई चीज को करेक्ट करें।

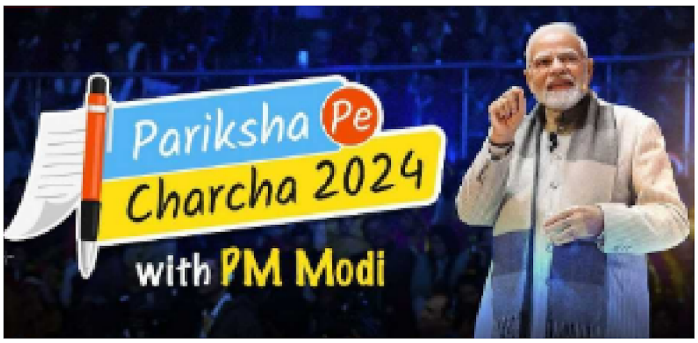

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024 मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

शारदा प्रकाशन न्यास भोपाल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पुस्तक पुर्नलेखन कार्यशाला संपन्न

नैतिक मूल्य मानव को परिपूर्णता प्रदान कर उसे ईश्वरीय रचनाओं में श्रेष्ठ बनाते है। भैया बहिनों में सेवाभाव, संवेदनशीलता एवं परमार्थ की भावना का विकास हो इस भाव से सरस्वती शिशु मंदिर गणेश कॉलोनी शिवपुरी के भैया बहिन मंगलम वृद्धाश्रम में बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने गए। आत्मीय पल बिताए एवम प्रतिवर्ष विद्यालय में मकरसंक्रांति पर्व पर किए जाने वाले अन्न संग्रह को दे कर आए। एवम संकल्प लेकर आए कि राम कृष्ण श्रवण कुमार की इस भूमि पर कोई माता पिता अपनो से विहीन न हो । आधुनिकता के नाम पर नैतिक मूल्यों का अवमूल्यन होता जा रहा है। आधुनिक शिक्षा के साथ साथ नैतिक जीवन मूल्यों का बीजारोपण कर एक श्रेष्ठ संस्कारित व्यक्तित्व निर्माण करना ही शिशु मंदिर का ध्येय है।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या में भगवान श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सरस्वती शिशु मंदिर भिंड द्वारा शोभा यात्रा एवं झांकियां निकाली गई जिसमें नगर के प्रतिष्ठित महानुभावों एवं मातृशक्ति के द्वारा टीका लगाकर झांकियों का स्वागत पुष्प वर्षा के द्वारा किया गया, तथा विद्यालय से प्रारंभ होकर नगर में होते हुए विद्यालय में जाकर समापन किया गया जिसमें भव्य महा आरती की गई।

[द्वादश संस्करण] युगाब्ध - 5125

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत

E-पत्रिका : मासिक

प्रज्ञा सन्देश

फरवरी - 2024

मार्गशीर्ष-फाल्गुन : विक्रमी संवत 2080

समाचार पत्रों के पन्नों पर ...

180 प्रबंध समितियां और 1500 कार्यकर्ता हो रहे हैं शामिल

विद्या भारती: शारदा विहार में प्रांतीय समिति समागम शुरू, पहले दिन डिजिटल प्रदर्शनी का किया गया उद्घाटन

सबसे पहले गौ, गंगा, तुलसी, गायत्री माता और भगवत गीता की पूजा- अर्चना की

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राजधानी के शारदा विहार आवासीय विद्यालय में आयोजित प्रांतीय समिति समागम 'संकल्प दृष्टि 2024' के पहले दिन शुक्रवार को डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के सह संगठन मंत्री यतीन्द्र शर्मा, विद्या भारती मध्य भारत प्रांत के संगठन मंत्री निखिलेश महेश्वरी, प्रांतीय अध्यक्ष मोहनलाल गुप्ता, सचिव शिरोमणि दुबे ने इस डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इस प्रदर्शनी में 20 प्रकार के विषयों पर केंद्रित कंटेंट प्रदर्शित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, स्किल डेवलपमेंट, सेवा क्षेत्र की शिक्षा, आधारभूत विषय, संस्कृति बोध परियोजना, पूर्व छात्र, सुघोष दर्शन, घोष बैंड प्रतियोगिता, बालिका शिक्षा, पर्यावरण, शिशु वाटिका, सैनिक स्कूल, पर्यावरण, शैक्षिक गतिविधियों को डिजिटल प्रदर्शनी में दिखाया गया है। प्रदर्शनी उद्घाटन के पूर्व अतिथियों ने गौ माता, गायत्री माता, गंगा माता, तुलसी माता, भगवत गीता की पूजा-अर्चना की। बता दें कि इसमें मध्य भारत प्रांत में सरस्वती शिशु मंदिरों का संचालन करने वाली 180 प्रबंध समितियों एवं न्यास के 1500 से अधिक कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं।

मुख्य समारोह का उद्घाटन आज

'संकल्प दृष्टि 2024' प्रांतीय समिति समागम का उद्घाटन शनिवार प्रात: 9 बजे होगा। इस अवसर पर विद्याभारती के अखिल भारतीय महामंत्री अवनीश भटनागर, क्षेत्र अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकर, यतीन्द्र शर्मा अतिथि रहेंगे। इस समागम में मध्यभारत प्रांत की 180 समितियों से 1500 से अधिक संख्या सदस्य पदाधिकारी उपस्थित होंगे। ये दो दिन चलने वाले सात सत्रों में विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे।

जिला स्तरीय शिशु नगरी का आयोजन हुआ

मध्य स्वदेश ■ विदिशा

सरस्वती शिशु मंदिर तलैया में रविवार को जिला स्तरीय शिशु नगरी का आयोजन किया गया। जिसमें विदिशा जिले के 11 विद्यालय के लगभग 500 भैया-बहन तथा दीदी आचार्य उपस्थित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जेपी राठी जिला शिक्षाधिकारी, राकेश शर्मा उद्योगपति, राजश्री वैद्य रामकृष्ण दास शिक्षण समिति की अध्यक्ष) मुख्य वक्ता के रूप में दीपक चंदेला भोपाल विभाग समन्वयक, ऐश्वर्या मुंदड़ा तलैया विद्यालय, पूर्व छात्र, वर्तमान में सहायक संचाल स्कूल शिक्षा विभाग उपस्थित रहे अतिथियों ने कार्यक्रम स्थल प लगी 12 शैक्षिक व्यवस्था क प्रदर्शनी तथा झांकियों क अवलोकन करने के उपरांत शि मंदिर की शिक्षा की भूरी-भू प्रशंसा की।

जिला शिक्षा अधिकारी अपने उद्बोधन में कहा कि शि मंदिर की शिक्षा संस्कारों का

क्रम में भैया बहनों ने चक दे इंडिया, यह तो सच है कि भगवान है, मां मेरी मां, बजने दे धड़क धड़क, छोटे-छोटे सपने, आई लव माय इंडिया, पेड़ देते मीठे फल, काले मेघा, लहराये वह झंडा आदि गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के उपरांत समस्त भैया-बहनों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में संचालन समिति के सचिव गजेन्द्रपाल सिंह राजपूत, कोषाध्यक्ष संजीव राठौर, केशवनगर उपसमिति के सदस्य एवं समयदानी सुरेन्द्र दुबे, हरिओम अग्रवाल, केशवनगर

अविष्कार मैकेथान में टिमरनी के छात्रों ने लिया भाग

अनोखा तीर, टिमरनी। नई दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित अविष्कार मैकेथान प्रतियोगिता के नेशनल राउंड में सरस्वती शिशु मंदिर टिमरनी के अटल टिंकरिंग लैब के छात्रों की दो टीम ने भाग लिया था। छात्रों ने अलग-अलग विषयो पर मॉडल बनाये थे। कक्षा बारहवी के छात्र

किशन राजपूत एवं कक्षा ग्यारहवीं के अरुण तिल्लोरे और विनायक मालवीय ने स्मार्ट लैंडमाइन एवं कक्षा ग्यारहवीं के छात्र यथार्थ पालीवाल और कक्षा बारहवी के छात्र कृष्णा कुशवाहा ने पोल वॉल्ट गेम का मॉडल बनाया था। इनमे से पोल वाल्ट गेम मॉडल को प्रदर्शित करने वाले छात्रों यथार्थ और कृष्णा को बेस्ट स्टाल डिजाइन का विशेष सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। इस प्रतियोगिता में देशभर से चुने हुए मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर विद्यालय की संचालन समिति के सदस्यों ने छात्रों को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

पत्रिका

सरस्वती स्कूल में बच्चों ने बनाई राम नाम की आकृति

मुंगावली. बच्चों ने मानव श्रृंखला से बनाई राम नाम की आकृति।

मुंगावली. राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में सरस्वती स्कूल में बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर राम नाम की आकृति बनाई। इसी आकृति में बच्चों ने आरती उतारी। स्कूल में सुंदरकांड पाठ का भी आयोजन किया गया। इसके साथ ही बच्चों ने विद्यालय के पास स्थित प्राचीन मंदिर में विशेष साफ-सफाई की और बस्ती

मध्य स्वदेश

स्वदेश ग्वालियर समूह का भोपाल संस्करण

भोपाल - मध्य स्वदेश

Date 19 Jan 2024

व्याख्यान — 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिशु शिक्षा की भारतीय संकल्पना' विषय पर हुआ व्याख्यान

जीवन के विकास से होता है शिक्षा का संबंध : सुश्री काटदरे

■ 144 गांव से गए थे कारसेवक

■ शिरोमणि दुबे ने साझा किए आन्दोलन के दृश्य

शिरोमणि दुबे

500 वर्षों तक यह देश रामलला को छोटी सी छत मुहैया नहीं करा सका। आजादी के बाद कितनी ही सरकारें आईं, लम्बे समय तक इन सत्ताधीशों ने देश पर शासन किया लेकिन कथित सेक्युलरवाद का लबादा ओढ़े एक समुदाय विशेष के तुष्टिकरण के कारण इन सरकारों की कार्यसूची में कभी राममंदिर प्राथमिकता नहीं रहा। अब समय ने करवट बदली है। इतिहास स्वयं को दोहराने जा रहा है। 22 जनवरी 2024 को रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की शुभ घड़ी आने वाली है। 500 वर्षों का वनवास समाप्त हो रहा है अब रामलला टाट के घर से निकलकर ठाट-बाट से आसमान से ऊँचे अपने घर में विराजेंगे।